INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VIII	Department:Hindi 2nd lang.	Date of submission: 10.08.24
	Topic: गद्यांश,लेखन कौशल	Note: HOLIDAY HOME WORK

प्र 1 – निम्नलिखित गद्यांश को पढकर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

चाय का पौधा उन्नीसवीं सदी तक भारतवर्ष के जंगलों में अपने आप पैदा होता था। सन 1820 ई में आसाम के पहले अंग्रेज शासक, कमिश्नर डेविड स्कॉट साहब को कुचबिहार और रंगपुर प्रांतों में चाय के पौधे मिले। आसाम के निवासी उनकी पत्तियों को सुखाने के बाद उबालकर पीते थे। भारतवर्ष के गवर्नर विलियम बेंटिक ने आसाम की भूमि को चाय की खेती के लिए उपयुक्त मानकर वहाँ ईस्ट इंडिया कंपनी की ओर से चाय के बाग़ लगवाए। तब से आसाम में चाय की खेती विविधतापूर्वक होने लगी और यहीं से चाय के व्यापार का श्रीगणेश हुआ। अतः चाय की जन्म भूमि निःसंदेह भारत ही है। यहाँ से चाय पहले चीन में पहुँची। वहाँ से जापान और वहाँ से इंग्लैंड। भारत में चाय चीन से आती थी, क्योंकि भारतवर्ष चाय का जन्मस्थान होने पर भी यहाँ के निवासी चाय की खेती नहीं करते थे। हाँ, आसाम के निवासी जंगली चाय की पत्ती उबालकर पीते थे।

धीरे – धीरे चाय की तारीफ़ में विज्ञापन छपने लगे। एक कवि, वालर (1606-1687) ने चाय की तारीफ़ में एक कविता लिखी। उसमें उसने चाय को वनस्पतियों की महारानी का ख़िताब दिया। चाय का प्रचार करने और प्रयोग बढ़ाने के लिए अथवा उसे लोकप्रिय बनाने के लिए चाय के सौदागर और होटलवाले मनोरंजनक तथा चित्ताकर्षक विज्ञापन अखबारों में छपने लगे। सबसे पहले एक अंग्रेज व्यापारी ने सन 1660 में चाय की तारीफ़ में छपवाया –‘ चाय के बहुमूल्य पदार्थ होने का यह सबूत है कि वह केवल बड़ी बिमारियों के इलाज में काम नहीं आती ,वरन उसका प्रयोग बड़े –बड़े भोजों में भी होता है। वह शहजादों व अमीरों को भेंट स्वरूप दी जाती है।’

क – भारत में चाय के पौधे का कब तथा कैसे पता चला ?

ख – आसाम में चाय की खेती किस प्रकार विधिवत शुरू हुई ?

ग- चाय का जन्म कहाँ हुआ तथा यह किन –किन देशों में पहुँची और कैसे पहुँची ?

घ – भारत में चाय की जन्मभूमि होने के बाद भी भारत में चाय चीन से क्यों आती है?

ड – ऐसा कौन सा कार्य किया गया जिस से चाय का प्रचार बढ़ गया ?

प्र 2 अपने मित्र को ग्रीष्मावकाश अपने साथ बिताने का निमंत्रण देते हुए पत्र लिखिए ।

प्र 3 स्कूल पिकनिक पर जा रहे दो छात्रों के मध्य संवाद लिखिए ।